DELHI POLICE 2025

CONSTABLE HCM AWO/TPO DRIVER

यकीन बैच

STATIC G.K

CLASSICAL DANCES

(शास्त्रीय नृत्य) Part -2

23-01-2025 05:00 PM

4 कुचिपुड़ी

आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एक गाँव कुचैलापुरम के नाम पर रखा

imp

- यह भाषण (माइम) और शुद्ध नृत्य को जोड़ता है।
  It is a question of speech (Maem) and pure dance.
- भागवत, पुराण को आधार माना जाता है
  Bhagwat, Purana is considered as the basis
- पीतल की तश्तरी में पैर रखकर नृत्य करने का प्रचलन है। इसे तरंगम कहते है, पैरों की मुद्राएँ सम–पाद मंडिकोप्पु, कन्तेरा, नागबंध
  There is a tradition of dancing by keeping feet on a brass plate. This is called Tarangam, the postures of the feet are Sam-pad Mandikoppu, Kantera, Nagabandha

तरंग (जल) – चित्र

- इसमें कर्नाटक संगीत पेश होता है।
  It features Karnatka music.
- वाक, मूकाभिनय और शुद्ध नृत्य के संयोजन वाला नृत्य कुचिपुड़ी है।
  Kuchipudi is a dance that combines speech, mime and pure dance.
- Imp: सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुडी का आदि गुरू माना जाता है, इन्होंने {भामाकल्पम} नाटक की रचना की जो कुचिपुडी पर आधारित है। Imp
  Sidhendra Yogi is considered the first guru of Kuchipudi, he composed the play Bhamakalpam which is based on Kuchipudi.
- नर्तकों को भागवतालु के नाम से जाना जाता है।
  The dancers are known as Bhagavatalu.
- सोल्लाकद या पताक्षर – इस नृत्य भाग में शरीर की हरकतें शामिल
  Sollakad or Patakshar – This dance part involves body movements
- कावुत्वम – इसमें व्यापक कलाबाजियाँ (हवाई करतब) सम्मिलित होती है।
  Kaavutvam – Involves elaborate acrobatics (aerobatics).

- मंडूक शब्दम: एक मेंढ़क की कहानी को कहता है।
  Manduk Shabdam: Tells the story of a frog.
- जल चित्र नृत्यम – इसमें कलाकार अपने पैर के अँगूठो से सतह पर चित्र बनाते है।
  Jal Chitra Nrityam - In this the artist makes pictures on the surface with his toes.
- पुरूष कलाकारों की पोशाक को बगलबंदी कहा जाता है।
  The costume of male artists is called Bagalbandhi.

5

कथक –

अन्य नाम – नटवरी, कथाकारों का नृत्य

यह राधा कृष्ण की कथाओं पर आधारित है।

It is based on the identity of Radha Krishna.

घुंघरू और चक्कर इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएं है।

Ghungroo and Chakkar are the main features of this dance

एक कहानी सुनाने के लिए इस नृत्य का प्रयोग होता है। इसे पढंत कहा जाता है।

This dance is used to tell a story. This is called reading.

कथक

कथक नृत्य की वेशभूषा अनारकली या लम्बी कमीज चूड़ीदार के साथ होती है।

Kathak dance costumes are anarkali or long shirt with churidar.

यह नृत्य लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना (सबसे पुराना), और रायगढ़ घराना शैली में किया जाता है **This dance is performed in Lucknow Gharana, Jaipur Gharana, Banaras Gharana (oldest), and Raigarh Gharana styles.**

- कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में 'लेड़ी लीला सोखे' के द्वारा पुर्नजीवित किया गया।
  The classical style of Kathak was revived in the 20th century by 'Ledi Leela Sokhe'.
- इसके प्रमुख विषय वैष्णववाद, से जुडे है।
  Its main themes are related to Vaishnavism.
- इसका वर्तमान स्वरूप 'मुगल परम्परा' पर आधारित
  Its current form is based on the 'Mughal Tradition'

6 कथकली – केरल (कली, अट्टम)

पुरूषों द्वारा by male

रामायण, महाभारत इसके आधार है

Ramayana, Mahabharata is its foundation stone

imp

नायक – पाचा Hero - Pacha

imp

खलनायक – कथी Villain - Kathi

इसमें चेहरे का हाव–भाव का प्रदर्शन किया जाता है

it has facial expressions

नाट्य स्थान (थियेटर) कुट्टमपालम कहलाता है।

Dance place (theater) is called Kuttampalam.

इसकी शुरूआत केलीकोट्टु नामक ढोल बजाने से होती है एवं केरल के सोपना संगीत का प्रयोग होता है

कथकली

It begins with the playing of a drum called Kelikottu and the Sopana music of Kerala is used.

कथकली नृत्य में 24 मुख्य मुद्रा होती है।

There are 24 main postures in Kathakali dance.

इसमें 3 संगीत वाद्ययंत्र इडक्का, चिंदा और मडालाम का प्रयोग होता है।

In this 3 musical instruments Idakka, Chinda and Madalam are used.

imp

कथकली आकाश तत्त्व का प्रतीक है।

Kathakali symbolizes the sky element.

कथकली गीतों के लिये प्रयुक्त भाषा 'मणिप्रवलम' अर्थात मलयालम और संस्कृत का मिश्रण The language used for Kathakali songs is 'Manipravalam' i.e. a mixture of Malayalam and Sanskrit.

- गीतों के शब्दों को अट्टकथा कहा जाता है।
  The words of the songs are called Attakatha.
- कला सम और नलचरितम कथकली नृत्य के प्रकार है
  Kala Sama and Nalacharitham are types of Kathakali dance
- यह ललित कला के 5 रूपों का एक सामंजस्यपूर्ण संयोजन है - लिटरेचर (साहित्यम), म्यूजिक (संगीतम), पेंटिंग (चित्रम), एक्टिंग (नाट्यम) और नृत्य (नृतम)।
  It is a harmonious combination of 5 forms of fine arts - Literature (Sahityaam), Music (Sangeetham), Painting (Chitram), Acting (Natyam) and Dance (Nritham).

- अलग–अलग पात्रों के लिए चेहरे के सुपरिष्कृत शृंगार के साथ सिर की टोपी का उपयोग किया जाता है। शृंगार या वेशम पाँच प्रकार का होता है – पाचा, काठी, थड़ी, कारी और मिनुक्कू अलग–अलग रंगों के शृंगार में अपना महत्त्व होता है।

  Headgear is used for different characters along with elaborate facial makeup. There are five types of adornment or Vesham – Pacha, Kathi, Thadi, Kari and Minukku. Different colors of adornment have their own importance.

- हरा रंग कुलीनता, देवत्व और सद्गुण इंगित करता है।

  Green color indicates nobility, divinity and virtue.

- नाक की बगल में लाल धब्बे राजसी गौरव इंगित करता है।

  The red spot next to the nose indicates royal pride.

- बुराई और दुष्टता इंगित करने के लिए काले रंग का उपयोग किया जाता है।
  Black color is used to indicate evil and wickedness.
- पीला रंग संतों और महिलाओं के लिए होता है।
  Yellow color is for saints and women.
- पूरी तरह लाल रंग से पुता चेहरा बुराई इंगित करता है।
  A face painted entirely red indicates evil.
- सफेद दाढ़ी उच्चतर चेतना और देवत्ववाले प्राणियों को इंगित करती है।
  White beard indicates beings with higher consciousness and divinity.

7 मोहिनीअट्टम –

मोहिनी – सुंदर स्त्री
अट्टम – नृत्य

- एकल महिला द्वारा
  by single woman
- बालों में चमेली के सफेद फूल लगाये जाते है।
  White flowers of jasmine are applied in the hair.
- इस नृत्य में केरल कसावु साड़ी पहनी जाती है।
  Kerala Kasavu saree is worn in this dance.
- इस नृत्य का उल्लेख "व्यवहारमाला" नामक प्राचीन ग्रंथ में किया गया है (लेखक - माझामंगलम नंबूदिरी)
  This dance has been mentioned in an ancient text named 'Vyavahamala'.
- विष्णु के स्त्रैण रूप की कहानी शामिल है।
  Contains the story of the feminine form of Vishnu.
- इसे जादूगरनी का नृत्य भी कहा जाता है।
  It is also called the dance of the witch.

imp ➤ इसमें भी मणिप्रवलम भाषा का प्रयोग

Manipravalam language is also used in this

➤ तेवितिचियाट्टम, नंगई नाटकम और दासियहम इस नृत्य के रूप है।

Thevitchiyattam, Nangai Natakam and Daasiyaham are the forms of this dance.

8 सत्रिया

- इसको वर्ष 2000 में शामिल किया गया है।
  It has been included in the year 2000.
- इसकी खोज लगभग 500 वर्ष पूर्व हुई।
  संस्थापक "श्रीमत शंकर देव"
  Founder "Shrimat Shankar Dev"
- असम के वैष्णव मठों में विकसित नृत्य
  Dances developed in the Vaishnav monasteries of Assam
- सत्रिया को "अंकियानाट" के प्रदर्शन के लिए लाया गया।
  Satriya was brought in to perform "Ankiyaanat".
- जब इस नृत्य को पुरूष करता है तो "भांगी" और जब स्त्री करती है तो "सीमंगी" कहलाता है, त्योहारों पर यह नृत्य भोकोत (पुरूष भिक्षुओं) द्वारा किया जाता है।
  When this dance is performed by a man, it is called "Bhangi" and when performed by a woman, it is called "Seemangi". On festivals, this dance is performed by Bhokot (male monks).

इसमें बोरगीत संगीत का प्रयोग होता है Borgeet music is used in this

नृत्य का 'भाओना' भाग – भगवान कृष्ण की कहानियों पर आधारित

माटी अखोरा रूप का संबंध सत्रिया नृत्य से है। इसका अर्थ मिट्टी पर व्यायाम करना है।

The Mati Akhora form is related to the Sattriya dance. It means exercising on the soil.